प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

कक्षा–10

हिंदी 'ए'

संकलित परीक्षा 2

स्मय 3 घंटे **खंड 'क'** **कुल अंक–80**

1– निम्नलिखित अपठित अंश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रत्येक प्रश्न का उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए – 5x1=5

आज गांधी जी के आदर्श पर साहित्य की भरमार है लेकिन किसी को उनके आदर्श की गूंज सुननी हो तो वह सेवाग्राम आश्रम स्थित गांधीजी की कुटी में सुन सकता है । जो उनके जीवनदर्शन को समझना चाहते है । उनके लिए भी यह कुटिया मददगार हो सकती है । देश में गांधी जी के कई अन्य आश्रम भी उनकी याद दिलाते है लेकिन सेवाग्राम आश्रम सबसे अलग है । यह कुटिया आज भी उसी रूप में मौजूद है जैसे यह गांधी जी के समय थी ।

विश्वविख्यात चिंतक इवान इलिच जब इस आश्रम में कुछ दशक पहले आए तो वे गांधीजी की कुटिया से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके । उनका कहना था कि मैं इस कुटिया के जरिए गांधीजी की दृष्टि को समझने का जितना प्रयास करता गया, उतना ही उनकी सादगी, सफाई और सौंदर्यवृति का स्पष्ट दर्शन होता गया । गांधीजी की कुटिया का संदेश है – सबके साथ प्यार और बराबरी का संबंध कायम करना । मैं पूरी तरह से निश्चिंत हूँ कि जिन लोगों को गांधीजी की इस कुटिया का महत्व समझ में नहीं आता और जो रहने के लिए बड़ी–बड़ी जगहों और आलीशान मकान की चाह रखते हैं, उनके मस्तिष्क,शरीर और जीवनपद्धति में दिवालियापन छाया हुआ हैं । मुझे उन पर दया आती है वे अपने सचेतन भाव को अचेतन मकानात के हवाले सौंप देते है । इस प्रकिया में वे अपने शरीर का लचीलापन और जिंदगी की जिंदादिली दोनों खो बैठते हैं । गांधीजी की यह कुटिया उस आंनद का प्रतीक है, जो मनुष्य को आम जन के साथ एक स्तर पर रहने से प्राप्त होता हैं ।जहां स्वावलंबन मंत्र की साधना होती है और यह समझ बनती है कि बेकार की वस्तुओं को अपने घर मे जमा कर मनुष्य अपने वातावरण से आनंद प्राप्त करने की क्षमता खो बैठता है ।

(i) सेवाग्राम का क्या महत्व है ?

क– सेवाग्राम में गांधीजी कई वर्ष रहे थे ˙

ख– गांधी जी के जीवनदर्शन का व्यावहारिक रूप देखने को मिलता है

ग– सेवाग्राम सादगी से बना है ˙

घ– देश–विदेश अनेक लोग वहां आते हैं ˙

(ii) इवान इलिच गांधी जी की कुटिया से क्यों प्रभावित हुए ?

क– कुटिया का रख–रखाव बहुत व्यवस्थित है ।

ख– वहां सब मिलजुलकर रहते है ।

ग– गांधी जी की सादगी और सौंदर्यवृति को समझने में सहायक है ।

घ– इवान इलिच ने ऐसी कुटिया पहले कभी देखी न थी ।

(iii) गांधी जी की कुटिया का संदेश है –

क– परस्पर मेल, समता, प्रेम और भाईचारे से रहना ।

ख– सादगी को महत्व देना ।

ग– सरल और स्वच्छ जीवन जीना ।

घ– हरेक की काम में मदद करना और ईमानदारी से जीवन जीना ।

(iv) भौतिकवादी मनुष्य आंनद प्राप्त करने की क्षमता क्यों खो बैठता है –

क– वह भौतिक वस्तुओं मे सुख खेाजता रहता है।

ख– आलीशान मकान की चाह पूरी न होने पर आनंद नहीं मिलता ।

ग– वह आत्मनिर्भरता से प्राप्त आनंद से स्वयं को वंचित कर लेता है ।

घ– कुटिया में आरम्भ की वस्तुओ की अपेक्षा करता है ।

(v) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगाा–

क– वास्तविक आनंद

ख– भौतिकवादी मनुष्य

ग– सरल जीवन की कुटिया

घ– सादगी और संयम की कुटिया

2– निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

मकबूल फिदा हुसैन पहले भारतीय कलाकार है जिन्हें जन–मानस में बड़ी जगह मिली, और जिन्होंने देश–दुनिया में ऐसी ख्याति अर्जित की, जिसे अभूतपूर्व ही कहा जाएगा। जिन लोगों ने उनका कोई मूल–चित्र नहीं भी देखा था वे उनके नाम से परिचित थे। पत्र –पत्रिकाओं के माध्यम से टीवी चैन्नलों,

और कैटलॉग पुस्तकों के माध्यम से भी वे बहुतों तक पहुंचे। स्वयं तो वे अपनी कला को लोगों के बीच ले ही गए। आज वे तमाम स्थल मुझे याद आ रहे है, जहाँ उन्होंने लोगों के सामने कैनवास बिछा कर काम किया। त्रिवेणी कला संगम, दिल्ली, इंदौर के सार्वजनिक स्थल, भोपाल का भारत भवन – ऐसे तमाम स्थलों में शामिल है ।

इसके अतिरिक्त,वे जहाँ भी बैठते, चलते–फिरते थे, कुछ न कुछ बना रहे होते थे । कई लोगों को यह बात खलती–खटकती भी थी कि वे कलाकार की। एकांत–साधना' की जगह, उसका यह 'सार्वजनिक रूप' उजागार करने में क्यों जुटे हुए हैं पर इस प्रकार के कला– कर्म के पीछे दरअसल, एक गहरी समझ छिपी हुई थी । वे जानते थे कि जब तक कैनवस पर तैलरंगों से अंकन विधि को सहज नहीं बना दिया जाएगा, आधुनिक। समकालीन भारतीय चित्रकला लोगों के बीच स्वीकृत नहीं हो सकेगी । कलाकार कहीं एकांत में, ईजल पर कैनवस रख कर काम करता है और इसी प्रकार कैनवस पर चित्र –रचना की विधि में महारत हासिल करके यह जताया था कि हम इस अजनबी विदेशी माध्यम को कुशलतापूर्वक बरत सकते है तो हुसैन ने यह जताया कि हम इसे लगभग उसी प्रकार बरत सकते है, जैसे कि कागज पर जलरंगों को या कपड़े पर प्राकृतिक रंगों को बरतते रहे हैं यह एक बड़ा कदम था ।

यहाँ यह याद कर सकते है कि पहले हमारें यहां स्वयं अंग्रेजों द्वारा स्थापित तमाम कला महाविद्यालयों मे, छात्रों के लिए कैनवस पर तैलरंगों से काम करने की एक अलिखित मनाही थी । यह भी कि कैनवस और तैलरंग आसानी से सुलभ भी नहीं थे । इसलिए अगर यह कहें कि कैनवस पर तैलरंगों से रचना भी, हमारे यहां हुसेन साहब के कारण गतिशील हुई तो इसमें अतिरंजना न होगी। सत्तर के दशक के बाद कला महाविद्यालयों समेत, सभी पीढियों के कलाकारों ने बड़ी संख्या में कैनवस को बरतना शुरू किया । स्वयं रंग–सामग्री, कैनवस सामग्री, और फ्रेमर्स का व्यापार बढ़ा ।

(i) मकबूल फिदा हुसैन पूरे विश्व में चर्चित क्यों रहे ?

क– सब उनके नाम से परिचित थे ।

ख– अपनी अभूतपूर्व कला से देश–विदेश में कीर्ति अर्जित की ।

ग– उनकी पहुंच आम लोगों तक भी थी ।

घ– अपनी सादगी–सहजता के कारण चर्चित थे ।

(ii) कई लोगों को क्या पसंद नहीं था ?

क– हुसैन ने अपनी कला को सब लोगों के बीच उजागर किया ।

ख– हुसैन की विचारधारा अलग थी ।

ग– वे तैलरंगो का प्रयोग करते थे ।

घ– वे एकांत–साधना करते थे ।

(iii) उनके कला–कर्म के पीछे गहरी समझ क्या थी ?

क– एकांत में केनवस पर चित्रकारी करना श्रेष्ठ है ।

ख– तैलरंगों की प्रयोग –विधि को सरल और सहज बनाना ।

ग– किसी शांत स्थल पर अपने विचारो और कल्पना को रूप –आकार देना बेहतर है ।

घ– भारतीय चित्रकारों को भी तैलरंगों का प्रयोग करना चाहिए ।

(iv) हुसैन साहब की चित्रकला ने क्या तथ्य उजागर किया ?

क– हम भी किसी अन्य माध्यम को अपनी कला में प्रयोग ला सकते है ।

ख– हम कागज पर जलरंगों के समान इसका प्रयोग भी कर सकते हे ।

ग– हम अपनी चित्रकारी को दुनिया में नाम दिला सकते है ।

घ– चित्रकला में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग भी संभव है ।

(v) हुसैन साहब की चित्रकला से कला के क्षेत्र में कौन–सी क्रांति आई ?

क– एक नई शैली का प्रकटीकरण हुआ ।

ख– कैनवस और तैलरंग का प्रयोग बढ़ने लगा ।

ग– उन्होंने कई माध्यमों को मिलाकर एक नई दिशा दी है ।

घ– चित्रकला के साथ–साथ अभिव्यक्ति के अन्य माध्यम भी प्रयुक्त करते थे ।

3– निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के सहीं विकल्प चुनकर लिखिए – 5x1=5

तिनका–तिनका चिड़िया लाकर
रचती है आवास नया
इसी तरह से रच जाता है
सर्जन का आकाश नया ।
मानव और दानव में यूँ तो
भेद नजर नहीं आएगा

एक पोंछता बहते ऑसू

जी भर एक रुलाएगा

रचने से ही आ पाता है

जीवन में विश्वास नया ।

कुछ तेा इस धरती पर केवल

खून बहाने आते हैं

आग बिछाते हैं राहो में

फिर खुद भी जल जाते हैं ।

जो होते खुद मिटने वाले

वे रचते इतिहास नया ।

मंत्र नाश का पढा करें कुछ

द्वार–द्वार पर जा करके

फूल खिलाने वाले रहते

घर–धर फूल खिला करके ।

(i) मानव और दानव में क्या अन्तर है ? 1

क–मानव सुन्दर है दानव भयानक और कुरूप

ख– मानव सृजन करता है दानव विनाश

ग– मानव दूसरों की पीड़ा हरता है , दानव दुख देता है

घ– मानव जो खुशियॉ बॉटता है दानव उन्हें छीन लेता है ।

(ii) नया सृजन किस तरह होता है ? 1

क– धीरे–धीरे परिश्रम से

ख– तेजी से अचानक

ग– थोड़ा–थोड़ा करके

घ– धैर्य और परिश्रम से

(iii) अत्याचारी का क्या अंत होता है ? 1

क– सुखदायी होता है

ख– अपनी आग में जल जाता है

ग– खुद मिट जाता है

घ– अन्य लोग आग में झोक देते हैं

(iv) नया विश्वास किस प्रकार आता है? 1

क– मिटने से

ख– बिगाड़ने से

ग– बुराई का विनाश करने से

घ– निमार्ण से

(v) इतिहास कौन रचता है ? 1

क– जो खून बहाते हैं

ख– जो राहों में अंगारे बिछाते हैं

ग– जो बलिदान देते हैं

घ– जो नया सृजन करते हैं ।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–5x1=5

ऋषि–मुनियों,साधु–सन्तों को
नमन, उन्हें मेरा अभिनन्दन
जिनके तप से पूत हुई है
भारत देश की स्वर्णिम माटी
जिनके श्रम से चली आ रही
युग–युग से अविरल परिपाटी।
जिनके संयम से शोभित है
जन–जन के माथे पर चंदन।
कठिन आत्म–मंथन के हित

जो असि–धारा पर चलते हैं

पर–प्रकाश हित पिघल–पिघल कर

मोम–दीप–सा जलते हैं ।

जिनके उपदेशों को सुनकर

सँवर जाए जन–जन का जीवन

सत्य–अहिंसा जिनके भूषण

करुणामय है जिनकी वाणी

जिनके चरणों से हैं पावन

भारत की यह अमिट कहानी

उनके ही आशीष, शुभेच्छा, पाने को करता पद–वंदन ।

(i) ऋषि–मुनियों ने भारत भूमि को कैसा बनाया है ? 1

क– खुशहाल

ख–स्वर्णिम

ग– पवित्र

घ– पुत्रवती

(ii) असि–धारा' पर चलने से कवि क्या कहना चाहता है ? 1

क– तलवार की धार पर चलना

ख– कठिन मार्ग पर चलते हुए संघर्ष करना

ग– तेज धूप में चलना

घ– नदी किनारे चलना

(iii) 'सत्य –अहिंसा' में कौन–सा समास है? 1

क– बहुव्रीहि–

ख– द्वंद्व

ग– द्विगु

घ– अव्ययीभाव

(iv) 'मोम दीप–सा' में कौन–सा अलंकार है ? 1

क– रूपक

ख– उपमा

ग– उत्प्रेक्षा

घ– यमक

(v) भारतीय का जीवन संवारने के लिए साधु –संतों ने क्या नहीं किया ? 1

क– तपस्या

ख– परिश्रम

ग– आत्म–मंथन

घ– योग

खण्ड 'ख'

5– निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों के पद–परिचय के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– 4x1=4

(i) **कभी–कभी** बाबूजी हमसे कुश्ती भी लड़ते 1

क– कालवाचक क्रिया विशेषण

ख– कालवाचक क्रिया विशेषण , 'लड़ते क्रिया का विशेषण

ग– रीतिवाचक क्रिया विशेषण , लड़ते क्रिया का विशेषण

घ– परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

(ii) **वह** थाली में दही –भात सानकर हमें खिलाती। 1

क– निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग,एकवचन

ख– अन्यपुरूष वाचक सर्वनाम

ग– अन्यपुरूषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, खिलाती, क्रिया क्रिया का कर्ता

घ–मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम,पुल्लिंग,एकवचन, 'खिलाती' क्रिया का कर्ता

(iii)हम **उनके** कंधे पर विराजमान रहते थे । 1

क– अन्यपुरुष वाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

ख– सार्वनामिक विशेषण

ग– सार्वनामिक विशेषण

घ– सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

(iv)ऐसे–ऐसे **नाटक** हम लोग बराबर खेला करते थे 1

क– जातिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग, बहुवचन

ख– जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

ग– भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

घ–जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन,कर्ताकारक

6– सही विकल्प चुनकर लिखिए – 4x1=4

रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानिए–

(i) थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाने थे । 1

क– सरल वाक्य

ख– मिश्रित वाक्य

ग– संयुक्त वाक्य

घ– सरल ओर मिश्रित वाक्य

(ii) बाबूजी जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे वहीं रंगमंच बनती है। 1

उपर्युक्त वाक्य में प्रधान उपवाक्य है–

क– बाबू जी जिस छाटी चौकी पर बैठकर नहाते थे ।

ख– वहीं रंगमंच बनती ।

ग– जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे ।

घ– बाबूजी जिस छोटी चौकी पर बैठते ।

(iii) निम्नलिखित वाक्य का मिश्रित वाक्य बनेगा – 1

पंगत के बैठने पर बाबूजी भी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते ।

क– पंगत बैठती और बाबूजी भी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते ।

ख– बाबूजी धीरे से आकर जीमने के लिए पंगत में बैठ जाते ।

ग– जब पंगत बैठती तब बाबूजी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते ।

घ– जीमने के लिए बाबूजी धीरे से आकर पंगत में बैठ जाते ।

(iv) निम्नलिखित वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा – 1

एक टीले पर जाकर हम लोग चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे।

क– एक टीले पर पहुँचकर हम लोग चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

ख– जब हम लोग टीले पर गए तब चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

ग– हम लोग एक टीले पर गए और चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

घ– जैसे ही हम लोग एक टीले पर पहुँचे वैसे ही चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

7– सही विकल्प चुनकर लिखिए – 4x1=4

(i) आज विद्यालय के बच्चों ने कब्बाली में समाँ बाँध दिया । 1

इस वाक्य का कर्मवाच्य होगा–

क– आज विद्यालय के बच्चों द्वारा कब्बाली में समाँ बाँध दिया गया ।

ख– कव्वाली में समॉ बॉध दिया विद्यालय के बच्चों ने

ग– बच्चों द्वारा कब्बाली में समाँ बँध गया ।

घ– आज विद्याालय के बच्चों ने समाँ बाँध दिया ।

(ii) हम इतना कष्ट नहीं सह सकते । 1

इस वाक्य का भाव वाच्य होगा –

क– इतना कष्ट हम नहीं सह सकते ।

ख– हमसे इतना कष्ट सहा नहीं जाता ।

ग– हम इतना कष्ट सह नहीं पाएंगे ।

घ– इतना कष्ट कैसे सहेंगे ।

(iii) ये कविताएँ महादेवी ने लिखी है । 1

इस वाक्य का कर्मवाच्य होगा–

क– महादेवी ने ये कविताएं लिखी हैं।

ख– महादेवी ने इन कविताओं को लिखा है ।

ग– महादवी द्वारा ये कविताएं लिखी गई हैं ।

घ– महादेवी द्वारा यह कविता लिखी गई है ।

(iv) कौन–सा वाक्य कर्मवाच्य में नहीं है ? 1

क– मेरे द्वारा पाठ पढ़ा गया ।

ख– छुट्टी की घोषणा की गई ।

ग– मुझसे यह काम कैसे होगा ।

घ– मुझसे दर्द के कारण बैठा नहीं जाता ।

8– निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों के रेखांकित अंश में प्रयुक्त अलंकारों के नाम सहीं विकल्प में से चुनिए– 4x1=4

(i) सोहत ओढ़े पीत पढ, स्याम सलोने गात । 1

मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात ।

क–उपमा ख– रुपक ग– उत्प्रेक्षा घ–श्लेष

(ii) चमक गई चपला चम–चम ।

क– अनुप्रास ख– रूपक ग– उपमा घ– मानवीकरण

(iii) मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के । 1

क– रूपक ख– उपमा मानवीकरण घ– श्लष

(iv) वह दीपशिखा–सी शांत भाव मे लीन । 1

क– उपमा रूपक ग– उत्प्रेक्षा घ–यमक

9– सही विकल्प चुनकर लिखिए– 4x1=4

(i) किस पंक्ति में यमक अलंकार हैं ? 1

क– खग–कुल कुल–कुल सा बोल रहा ।

किसलय का अंचल डोल रहा ।

ख– चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रहीं हैं जल–थल में ।

ग– रहिमन पानी राखिए , बिन पानी सब सून ।

पानी गए न उबरे ,मोती मानुस चून ।

घ– जलता है यह जीवन –पतंग ।

(ii) कौन सा वाक्य भाव वाच्य बनेगा– 1

रात मे वह चल नहीं सकता ।

क– रात में वह कैसे चल पाएगा ।

ख– रात में उससे चला नहीं जाता

ग– वह रात में चल नहीं सकेगा ।

घ– रात में वह चल नहीं पाएंगा ।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में आश्रित उपवाक्य है – 1

मिल लेना क्योंकि तुम्हें काम है ।

क– मिल लेना ।

ख– क्योंकि तुम्हें काम है।

ग– तुम्हें काम है ।

घ– क्योंकि काम है ।

(iv) रेखांकित पद का पद–परिचय होगा– 1

रुचिका ने मेले से पुस्तके <u>खरीदी</u> ।

क– अकर्मकय क्रिया

ख– सकर्मक क्रिया।

ग– मिश्र क्रिया

घ– संयुक्त क्रिया

खंड 'ग'

प्रश्न 10– निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1x5=5

फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे! कभी–कभी लगता है वह मन से सन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे । दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते –खोजकर समय निकाल कर गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते ,चाहे दो मिनट के लिए ही सही । यह कौन सन्यासी करता है ? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा हीं हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है । घर–परिवार के बारे में, निजी दुख–तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है । 'हर मौत दिखती है जीवन को नयी राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आर रही है यऔर फादर के शब्दों से झरती विरल शांति भी ।

(i) फादर बुल्के मन से सन्यासी क्यों नहीं थे ? 1

क– उनका मन चंचल था।

ख– वे रिश्तों का निर्वाह करते थे ।

ग– वे संकल्प से सन्यासी थे ।

घ– वे सन्यासियों की तरह बातचीत नहीं करते थे ।

(ii) कैसे कहा जा सकता है कि वे मिलनसार थे ? 1

क– अपने व्यस्त जीवन में भी दूसरों के लिए समय निकालते थे ।

ख– वे सांत्वना प्रकट करते थे ।

ग– उनका व्यक्तित्व देवदारू के वृक्ष के समान था ।

घ– दूसरों के दुख में दुखी होते थे ।

(iii) हिंदी के बारे में उनके क्या विचार थे ? 1

क– वे रांची में हिन्दी तथा संस्कृत विभाग के अध्यक्ष रहे ।

ख– हिंदी की उपेक्षा किए जाने पर उन्हें दुख होता था।

ग– वे हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखना चाहते थे ।

घ–उन्होंने प्रसिद्ध अंग्रेजी हिंदी कोश तैयार किया ।

(iv) हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह । ' का आशय है – 1

क– मृत्यु नया रास्ता दिखाती हे ।

ख– मृत्यु जीवन जीने के लिए संघर्ष करना सिखाती है ।

ग– मृत्यु के पश्चात् नया जीवन मिलता है ।

घ–मृत्यु ईश्वर में आस्था जगाती है ।

(v) 'फादर के शब्दों से झरती विरल शांति से क्या तात्पर्य है । 1

क– फादर मीठी वाणी बोलते थे ।

ख– उनके मुख से शांति प्रकट होती थी ।

ग– उनके मुख से निकले शब्द हृदय को सुकून देते थे ।

घ– वे शांतिप्रय थे ।

अथवा

1x5=5

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं। अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है किवे संस्कृत न बोल सकती थी। संस्कृत न बोल सकना न अनपढ़ होने का सबूत है और न गॅवार होने का । अच्छा तो उत्तररामचरित मे ऋषियों की बेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन–सी भाषा बोलती थी। डनकी संस्कृत क्या कोई गंवारी संस्कृत थी? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस ज़माने के है उस जमाने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले तब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अनपढ़ बताने का साहस करे। इसका क्या सबूत कि उस जमाने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी ? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों तथा जैनों के हज़ारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते, और भगवान शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों धर्मोपदेश देते ?

(i) नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना किस बात का प्रमाण है? 1

क– उनके अनपढ़ होने का ।

ख– उनके अनपढ़ न होने का ।

ग– घर तक सीमित रहने का ।

घ– उनके गंवार होने का ।

(ii) भवभूति एवं कालिदास के जमाने में संस्कृत ही शिक्षित समुदाय की भाषा नहीं थी ! द्विवेदी जी ने इसका क्या तर्क दिया ? 1

क– केवल धनाढ़य एवं सम्मानित व्यक्ति ही संस्कृत बोलते थे ।

ख– सब संस्कृत के जानकार थे ।

ग– स्त्रियों को संस्कृत नहीं पढ़ाई जाती थी ।

घ– बौद्धों एवं जैनों के हजारों ग्रंथों की रचना प्राकृत में हुई ।

(iii) उत्तररामचरित में ऋषियों की पत्नियां कौन सी भाषा बोलती थी ? 1

क– संस्कृत

ख– प्राकृत

ग– हिंदी

घ– अन्य

(iv) भवभूति और कालिदास के ज़माने में बोलचाल की प्रचलित भाषा थी – 1

क– संस्कृत

ख– हिंदी

ग– प्राकृत

घ– उर्दू

(v) इस पूरे अनुच्छेद में लेखक क्या कहना चाहता है। 1

क– स्त्रियाँ केवल प्राकृत बोलती थी ।

ख– प्राचीन काल में भी स्त्रियाँ शिक्षित थी।

ग– स्त्रियाँ संस्कृत भी बोलती थी ।

घ– स्त्री शिक्षा का प्रचलन नहीं था ।

11– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए – 2x5=10

क– वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है।

ख– लेखिका मन्नू भंडारी ने अपनी माँ की किन विशेषताओं के बारे में बताया है ?

ग– बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

घ– मन्नू भंडारी के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कह कर क्यों संबोधित किया है ?

ड़– शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई है?

12– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कितना प्रामणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वहीं उसकी अंतिम पूँजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

क– वाक्यांश में किसके दुख को प्रामणिक कहा गया है। 1

ख– कन्यादान करते हुए माँ को बेटी अपनी अतिम पूंजी क्यों लग रही थी ? 2

ग– लड़की अभी सयानी नहीं थी, पंक्ति का आशय स्पष्ट करे। 1

अथवा

तभी मुख गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जों एक हिचक साफ सुनाई देती है

या अपनी स्वर को ऊँचा न उठानें की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए ।

क– मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाने किसका स्वर आ जाता है? 1

ख– मुख्य गायक को अकेलेपन के अहसास से बचाने के लिए संगतकार क्या प्रयास करता है ? 2

ग– संगतकार की हिचक भरी आवाज उसकी विफलता नहीं मनुष्यता है । कैसे? 2

13– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क–परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए क्या–क्या तर्क दिए? राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

ख–फसल को हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा कह कर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? 2

ग–छाया मत छूना, कविता में छाया का क्या तात्पर्य है? 1

14–आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए? 5

अथवा

दुलारी विशिष्ट कहे जाने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक दायरे से बाहर है फिर भी अति विशिष्ट है । इस कथन को ध्यान में रखते हुए दुलारी की चारित्रिक विशेषताएं लिखिएं ।

खण्ड 'घ'

15– निम्नलिखित विषयों में से दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें– 5

क– **कम्प्यूटर** –एक क्रांतिकारी परिवर्तन

– विज्ञान का चमत्कारी यंत्र

– उपभोक्तावादी संस्कृति में कम्प्यूटर

– कम्प्यूटर के कारण हुई सूचना–क्रांति

– जनजीवन पर बढ़ता प्रभाव –लाभ व हानियॉ

अथवा

ख– भ्रष्टाचार

– भ्रष्टाचार क्या है

– विभिन्न रूप व कारण

– सरकार का नियंत्रण व झूठे दावे

– समाधान के उपाय – विरोध और जागृति

16–आपके क्षेत्र में कानून– व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है । स्थिति को बेहतर बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को पत्र लिखिए । 5

अथवा

फैशन में समय और धन का अपव्यय करने वाली अपनी छोटी बहन को प्रेरणाप्रद पत्र लिखिए ।

अंक–योजनां

हिंदी 'A'

कक्षा–x

एस.ए. II

स्मय 3 घंटे

1– (i) ख	(ii) ग	(iii) क	(iv) ग	(v) घ	1x5=5
2– (i) ख	(ii) क	(iii) ख	(iv) क	(v) ख	1x5=5
3– (i) ग	(ii) घ	(iii) ख	(iv) घ	(v) ग	1x5=5
4– (i) ग	(ii) ख	(iii) ख	(iv) ख	(v) घ	1x5=5
5– (i) ख	(ii) ग	(iii) क	(iv) ख		1x4=4
6– (i)क	(ii) ख	(iii) ग	(iv) ग		1x4=4
7– (i) क	(ii) ख	(iii) ग	(iv) घ		1x4=4
8– (i) ग	(ii)क	(iii) ग	(iv) क		1x4=4
9– (i) क	(ii) ख	(ii) क	(ii) ख		1x4=4

10– (i) ख 1

(ii) क 1

(iii) ग 1

(iv) ख 1

(v) ग 1

अथवा

(i)ख 1

(ii)घ 1

(iii)क 1

(iv)ग 1

(v)ख 1

11– क– जो बुद्धिमान हो और विवेकपूर्ण कार्य से नए तथ्य का अनुसंधान करे

जिसके कार्यों में कल्याण की भावना निहित हो । 1+1=2

ख–लेखिका मन्नू भंडारी की माँ अनपढ़ और व्यक्तित्व रहित थी ।

–जीवन भर दिया कभी कुछ माँगा नहीं ।

–पति की हर ज्यादती को अपना प्राप्य मानती , बच्चों की

उचित–अनुचित फरमाइश पूरा करती । 1+1=2

ग– विश्व स्तर पर शहनाई को मंगल वाद्य के रूप में प्रतिष्ठित करने के कारण ।

– नियमित रूप से बाला जी के मन्दिर में, प्रथम स्वतंत्रता व गणतन्त्र दिवस अन्य मांगलिक अवसरों पर शहनाई वादन के कारण 1+1=2

घ– भटियार खाना अर्थात जहाँ हमेशा भट्ठी जलती रहती है ।

– उनका मानना था कि इसमें उलझने से मन्नू की प्रतिभा व क्षमता नष्ट हो जाएगी और व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाएगा । 1+1=2

ड़– सुषिर वाद्यों का अर्थ है – फूँक कर बजाए जाने वाले वाद्य । शहनाई इसमें सर्वोत्कृष्ट है ।

–इन वाद्यों में रीड का प्रयोग होता हौ उसे 'नय ' कहा जाता है और शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात सुषिर वाद्यों का शाह । 1+1=2

12– क– कन्यादान करती माँ के दुख को । 1

ख– बेटी माँ के हृदय के सबसे निकट और सुख– दुख की साथी थी ।

– कन्यादान करते समय माँ स्वयं को अकेली व निस्सहाय समझते हुए अपनी अंतिम पूंजी भी चले जाने का अनुभव करती है । 1+1=2

ग– लड़की कम वय की , भोली , सरल व नासमझ थी ।

– उसे केवल सुख का अनुभव था, संसार की कटु व दुखद वास्तविकताओं से अपरिचित थी । 1+1=2

अथवा

क–संगतकार का । 1

ख–मुख्य गायक के स्वर मिला कर उसकी आवाज को बल देते है ।

– उसके सुर से भटकने स्वर बिखरने व प्रेरण और उत्साह का साथ छोड़ने पर तुरंत सुर संभाल लेते है । 1+1=2

ग– संगतकार जानते –बूझते मुख्य गायक से आगे निकलने का प्रयास नहीं करता

– स्वयं को पर्दे के पीछे रख कर मुख्य लायक की श्रेष्ठता को प्रतिपादित करता है । 1+1=2

13– क– बचपन में हमने अनेक धनुष तोड़े ,किंतु आप कभी क्रोधित नहीं हुए

– हमारी दृष्टि में सभी धनुष एक समान है । उसको तोड़ने में कोई लाभ– हानि नहीं देखते ।

– यह धनुष पुराना व जर्जर था । श्रीराम के छूते ही टूट गया । 1+1=2

ख– फसल बोने , उगने व पकने तक मानव के हाथों अनयक श्रम का योगदान है ।

– उनके प्यार भरे स्पर्श और अनयक श्रम की गरिमा मिलने पर ही वह महिमामयी स्थिति में आती है । 1+1=2

ग– छाया का अर्थ है भ्रम या सुविधा । अतीत की सुखद स्मृतियों में खो कर मनुष्य यथार्थ से मुँह मोड़ कल्पना में जीने लगता है । 1

14– पर्वतीय प्रदेशों की यात्रा के दौरान गंदगी फैलाकर, चट्टानों ,पेड़ों पर नाम या विज्ञापन लिख कर नए टूरिष्ट स्पॉट बनाकर व होटलों का निर्माण करके । 5

– अनवरत जंगलों का कटावकर व नए पेड़ों का आरोपण न करके ।

– बढ़ते कल–कारखनों के जहरीले रसायनों , कीटनाशक दवाइयों, प्लास्टिक की थैलियों का उचित निपटान ।

–हानिकारक वैज्ञानिक प्रयोग करके ।

उपाय

– वृक्षों के कटान को रोकेगें । जन्मदिन व शुभ अवसर पर पेड़ लगाएँगे व उपहार देंगे

– वायु ,जल, ध्वनि प्रदूषण को रोकने के उपाय करेंगे ।

–पर्यावरण विभाग द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करेगे ।

अथवा

- दुलारी सुदृढ़ शरीर वाली कुशल गायिका है वह अति विशिष्ट है क्योंकि 5

- उसे जन्म भूमि के प्रति असीम प्रेम है ।
- विदेशी शासन के प्रति क्षोभ–अपनी नई विदेशी धोतियों की आहुति देकर प्रकट करती है ।
- पराधीनता की चादर का उतार फेंकने की उत्कट लालसा है ।
- टुन्नू द्वारा दी गई खादी की साड़ी पहन अंग्रेजों की सभा में दुख भरा गीत गाकर अनाम शहीदों को न भूलने का संदेश देती है ।

15– निबंध के लिए अंक योजना

(i) भूमिका /प्रस्तावना 1

(ii) विषय प्रतिपादन 2

(iii) भाषा की शुद्धता 1

(iv) उपसंहार 1

16– पत्र लेखन

(i) प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएं 2

(पता, दिनंक,संबोधन,समापन)

(ii) विषय सामग्री /प्रस्तुति 2

(iii) भाषा की शुद्धता